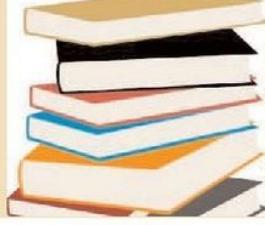


## #PrivateSchool जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी पत्र में स्कूल प्रबंधनों को हिदायत, स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने की आदेश पर रोक की मांग एनसीईआरटी की किताबों का उपयोग न करने पर होगी कार्रवाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

### बाजार में उपलब्ध किताबों से पढ़ाई की मजबूरी



जबाब में यह भी बताया है कि प्रदेश में लगभग सभी अशासकीय विद्यालयों में संचालित नर्सरी, कक्षा केंजी 1 व 2 कक्षाओं की कोई भी पुस्तक पाठ्य पुस्तक निगम प्रकाशित नहीं करता है। ऐसे में अशासकीय विद्यालयों की मजबूरी है कि वह बाजार में उपलब्ध किताबों से अध्यापन कराएं। एसोसिएशन ने आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग भी की है। उनका कहना है कि निगम द्वारा प्रकाशित किताबें आज की तारीख तक किसी भी विद्यालय में उपलब्ध नहीं करवाई गई हैं। नए सत्र की किताबें नहीं मिल पाने के कारण अधिकांश अशासकीय विद्यालयों ने निजी प्रकाशकों की पुस्तकों से पढ़ाना शुरू कर दिया है।

पहुंचाए जाने के संबंध में खबर प्रकाशित की गई थी कि प्राइवेट कर रहे हैं, जबकि प्राइवेट स्कूलों स्कूल प्राइवेट पब्लिशर्स की में एनसीईआरटी की ही किताबों से किताबें लेने अभिभावकों को बाध्य पढ़ाया जाना है।

### एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के आदेश का दिया हवाला

डीईओ द्वारा जारी किए गए पत्र के बाद छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने इसका जवाब भी दिया है। उसका कहना है कि विद्यालय में अध्ययन कराने के लिए एसोसिएशन ने उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर की थी जिसके आदेश में स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया है कि एसोसिएशन के सदस्य स्कूल आर किसी अन्य किताब का उपयोग करते हैं तो उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। इसी आदेश को आगे बढ़ाते हुए अगली तारीख तक स्टे

